तुरंत जारी करने हेतु

(प्रेस विज्ञप्ति सं.62/2020)

प्रेस के लिए सूचना नोट

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 26 अगस्त, 2020

(www.trai.gov.in)

31 मई, 2020 को समाप्त मासिक अवधि के अनुसार दूरसंचार उपभोक्ता डाटा से संबंधित मुख्य झलकियां

विवरण	वायरलैस	वायरलाइन	कुल (वायरलैस + वायरलाइन)
टेलीफोन उपभोक्ताओं की कुल संख्या (मिलियन में)	**1143.91**	**19.77**	**1163.67**
मई, 2020 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	-5.61	-0.15	-5.76
मासिक वृद्धि दर	-0.49%	-0.77%	-0.49%
शहरी टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**620.21**	**17.65**	**637.85**
मई, 2020 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	-9.23	-0.11	-9.34
मासिक वृद्धि दर	-1.47%	-0.62%	-1.44%
ग्रामीण टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**523.70**	**2.12**	**525.82**
मई, 2020 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	3.62	-0.04	3.57
मासिक वृद्धि दर	0.70%	-2.01%	0.68%
समग्र दूरसंचार–घनत्व *	**84.69%**	**1.46%**	**86.15%**
शहरी दूरसंचार–घनत्व*	133.99%	3.81%	137.81%
ग्रामीण दूरसंचार–घनत्व*	58.99%	0.24%	59.23%
शहरी उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	54.22%	89.28%	54.81%
ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	45.78%	10.72%	45.19%
ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**664.40**	**19.38**	**683.77**

- मई, 2020 के माह में 2.98 मिलियन उपभोक्ताओं ने मोबाइल नम्बर पोर्टिबिलिटी (एमएनपी) हेतु अपने अनुरोध दर्ज करवाए हैं। इसके साथ ही एमएनपी आरंभ होने के तिथि से अप्रैल, 2020 के अंत तक संचयी एमएनपी अनुरोध 488.23 मिलियन से बढ़कर मई, 2020 के अंत तक 491.21 मिलियन हो गया।

- मई, 2020 के अंत तक सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं (अधिकतम वीएलआर# की तिथि पर) की संख्या 960.78 मिलियन थी।

नोट :

– इस प्रेस विज्ञप्ति में उपलब्ध कराई गई जानकारी सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर आधारित है।

* स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की तकनीकी समूह की भारत और राज्यों के लिए जनसंख्या 2011–2036 के अनुमानों की रिपोर्ट के आकड़ो के आधार पर।

\# विजिटर लोकेशन रजिस्टर का संक्षिप्ताक्षर वीएलआर है। विभिन्न टीएसपी हेतु अधिकतम वीएलआर की तिथि, विभिन्न सेवा क्षेत्रों में अलग–अलग है।

I. कुल टेलीफोन उपभोक्ता

- अप्रैल, 2020 के अंत तक देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,169.44 मिलियन से घटकर मई, 2020 के अंत तक 1,163.67 मिलियन हो गई, जिसमें मासिक ह्रास दर 0.49 प्रतिशत दर्ज की गयी। अप्रैल, 2020 के अंत तक शहरी उपभोक्ताओं की संख्या 647.19 मिलियन से घटकर मई, 2020 के अंत तक 637.85 मिलियन हो गई, परन्तु इसी अवधि के दौरान ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या 522.24 मिलियन से बढ़कर 525.82 मिलियन हो गई। मई, 2020 माह के दौरान शहरी उपभोक्ताओं की मासिक ह्रास दर 1.44 प्रतिशत तथा ग्रामीण उपभोक्ताओं की वृद्धि दर 0.68 प्रतिशत रही।

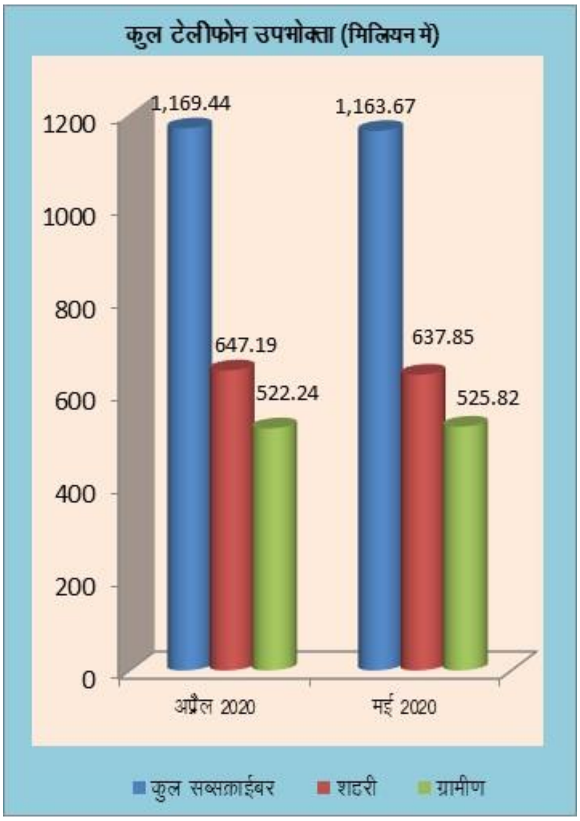

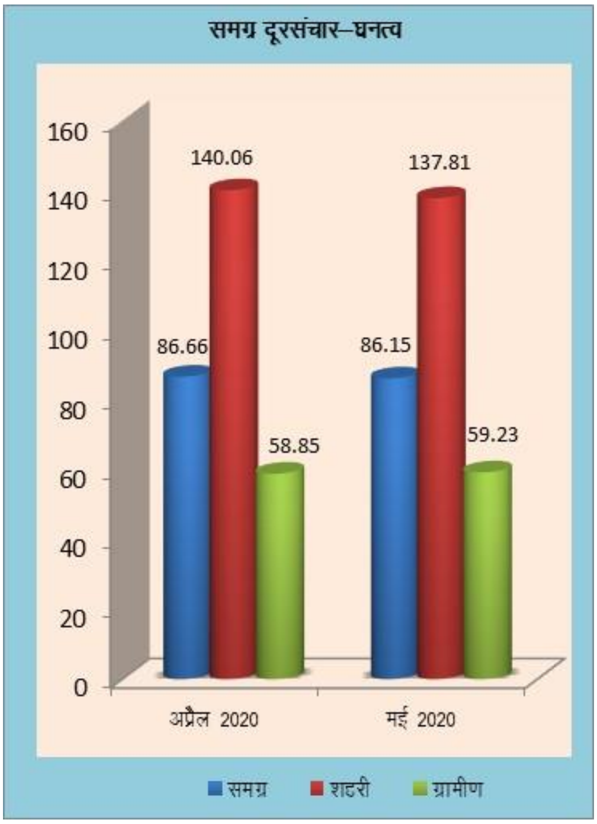

- अप्रैल, 2020 के अंत तक देश में समग्र दूरसंचार घनत्व 86.66 से घटकर मई, 2020 के अंत तक 86.15 हो गया। शहरी दूरसंचार घनत्व अप्रैल, 2020 के अंत तक 140.06 से घटकर मई, 2020 के अंत तक 137.81 हो गया, किन्तु ग्रामीण दूरसंचार घनत्व अप्रैल, 2020 के अंत तक 58.85 से बढ़कर मई, 2020 के अंत तक 59.23 हो गया। मई, 2020 के अंत तक शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल टेलिफोन उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 54.81 प्रतिशत तथा 45.19 प्रतिशत थी।

दिनांक 31 मई, 2020 की स्थिति के अनुसार समग्र दूरसंचार–घनत्व (सेवाक्षेत्र/राज्यवार)

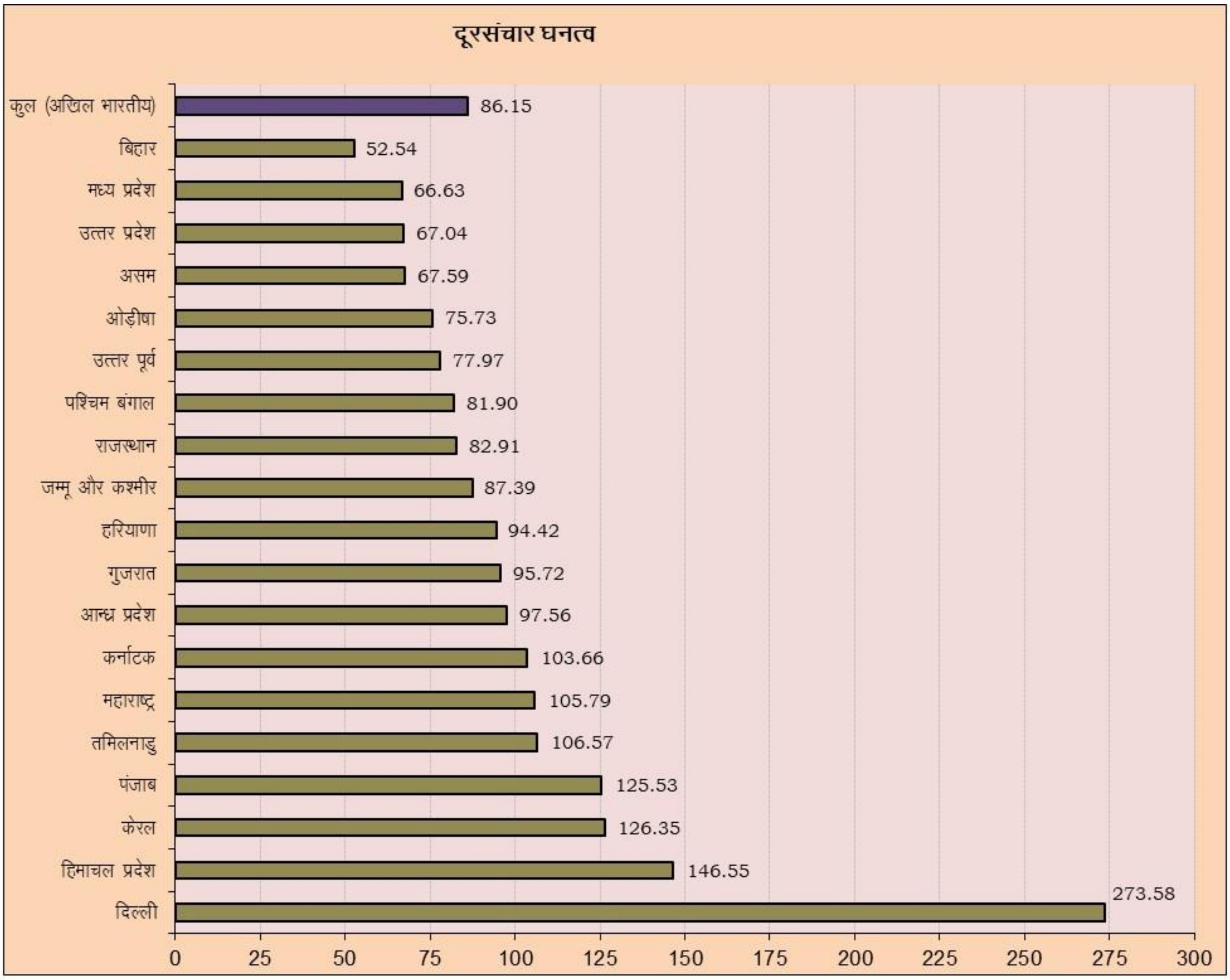

- उपर्युक्त चार्ट में देख जा सकता है कि मई, 2020 के अंत में आठ राज्यों में टेलि–घनत्व, अखिल भारत के औसत टेलि–घनत्व से कम रहा है। दिल्ली सेवा क्षेत्र में अधिकतम टेलि–घनत्व 273.58 रहा जबकि इसी दौरान बिहार सेवा क्षेत्र में न्यूनतम टेलि–घनत्व 52.54 रहा है।

नोट :

1. जनसंख्या आंकड़े/अनुमान केवल राज्यवार ही उपलब्ध हैं।
2. दूरसंचार घनत्व के आंकड़ों को टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की तकनीकी समूह की भारत और राज्यों के लिए जनसंख्या 2011–2036 के अनुमानों की रिपोर्ट के आकड़ो के आधार पर।
3. दिल्ली के लिए टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों में दिल्ली राज्य के आंकड़ों के अलावा, गाजियाबाद, और नोएडा (उत्तर प्रदेश में स्थित) तथा गुड़गांव और फरीदाबाद (हरियाणा में स्थित) के स्थानीय एक्सचेजों के दायरे में आने वाले क्षेत्रों हेतु वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़े शामिल हैं।
4. पश्चिम बंगाल में कोलकाता, महाराष्ट्र में मुंबई, तमिलनाडू में चेन्नई तथा उत्तर प्रदेश में उ0प्र0(पूर्व) एवं उ0प्र0(पश्चिम) सेवा क्षेत्रों की सूचनायें शामिल है।
5. ऑघ्र प्रदेश में तेलंगाना, बिहार में झारखंड, मध्य प्रदेश में छत्तीशगढ़, महाराष्ट्र में गोवा, उत्तर प्रदेश में उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल में सिक्किम तथा उत्तर–पूर्व में अरूणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजारम, नागालैंड एवं त्रिपुरा राज्यों को शामिल किया गया है।

II. श्रेणीवार वृद्धि

मई, 2020 माह में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

सेवा क्षेत्र श्रेणी	मई, 2020 के माह में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता		दिनांक 31 मई, 2020 की स्थिति के अनुसार उपभोक्ताओं की संख्या	
	वायरलाइन	वायरलेस	वायरलाइन	वायरलेस
श्रेणी – क	-83,162	-21,04,769	76,38,096	39,16,35,855
श्रेणी – ख	-11,490	-20,20,642	44,19,201	46,32,87,235
श्रेणी – ग	-1,218	-73,485	8,26,521	17,45,37,998
महानगर	-57,115	-14,12,442	68,82,803	11,44,44,487
अखिल भारतीय	**-1,52,985**	**-56,11,338**	**1,97,66,621**	**1,14,39,05,575**

मई, 2020 माह में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक एवं वार्षिक प्रतिशत वृद्धि दर

सेवा क्षेत्र श्रेणी	मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (अप्रैल, 2020 से मई, 2020 तक)		वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (मई, 2019 से मई, 2020 तक)	
	वायरलाइन	वायरलेस	वायरलाइन	वायरलेस
श्रेणी – क	-1.08%	-0.53%	-7.52%	-1.56%
श्रेणी – ख	-0.26%	-0.43%	-16.02%	-1.76%
श्रेणी – ग	-0.15%	-0.04%	-6.17%	-0.42%
महानगर	-0.82%	-1.22%	-0.06%	-2.34%
अखिल भारतीय	**-0.77%**	**-0.49%**	**-7.15%**	**-1.55%**

नोट : सेवाक्षेत्र श्रेणी महानगर में दिल्ली, मुंबई और कोलकाता शामिल हैं। चेन्नई के आंकड़ों को तमिलनाडु के भाग के रूप में सेवाक्षेत्र श्रेणी 'क' में सम्मिलित किया गया है।

- जैसा कि उपर्युक्त तालिकाओं में देखा जा सकता है कि मई, 2020 माह के दौरान मासिक एवं वार्षिक के आधार पर वायरलेस एवं वायरलाइन दोनों क्षेत्रों में सभी श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक ह्रास दर्ज की गई है।

III. वायरलेस टेलीफोन उपभोक्ता

- अप्रैल, 2020 के अंत तक कुल वायरलेस टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,149.52 मिलियन से घट्कर मई, 2020 के अंत तक 1,143.91 मिलियन हो गई जिसमें मासिक ह्रास दर 0.49 प्रतिशत दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या अप्रैल, 2020 के अंत तक 629.44 मिलियन से घटकर मई, 2020 के अंत तक 620.21 मिलियन हो गई किन्तु इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या 520.08 मिलियन से बढ़कर 523.70 मिलियन हो गई। इस माह के दौरान शहरी वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक ह्रास दर –1.47 प्रतिशत तथा ग्रामीण वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि दर 0.70 प्रतिशत रही।

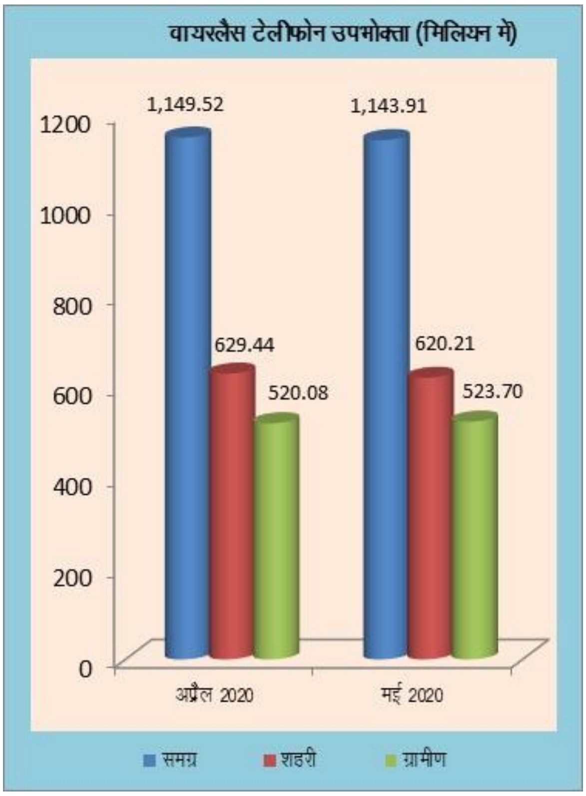

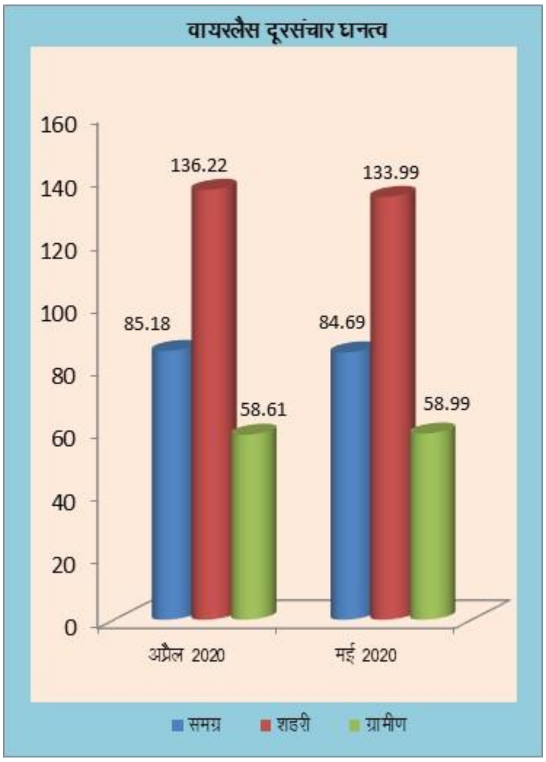

- अप्रैल, 2020 के अंत तक वायरलेस दूरसंचार घनत्व 85.18 से घटकर मई, 2020 के अंत तक 84.69 हो गया। शहरी क्षेत्रों में अप्रैल, 2020 के अंत में वायरलेस दूरसंचार घनत्व 136.22 से घटकर मई, 2020 के अंत में 133.99 हो गया, किन्तु इसी अवधि के दौरान ग्रामीण वायरलेस दूरसंचार घनत्व 58.61 से बढ़कर 58.99 हो गया। मई, 2020 के अंत तक शहरी तथा ग्रामीण वायरलेस उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 54.22 प्रतिशत तथा 45.78 प्रतिशत थी। वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का विस्तृत आंकड़ा अनुलग्नक–I में उपलब्ध हैं।

- दिनांक 31 मई, 2020 की स्थिति के अनुसार, निजी सेवा प्रदाताओं के पास वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 89.21 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी जबकि दो सार्वजनिक क्षेत्रों के टेलिफोन सेवा प्रदाताओं नामतः बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास केवल 10.79 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी।
- वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में बाजार हिस्सेदारी तथा वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में निवल नए ग्राहकों के शामिल होने को रेखाचित्र के रूप में नीचे प्रदर्शित किया गया हैः–

31 मई, 2020 की स्थिति के अनुसार सेवा प्रदातावार वायरलेस उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

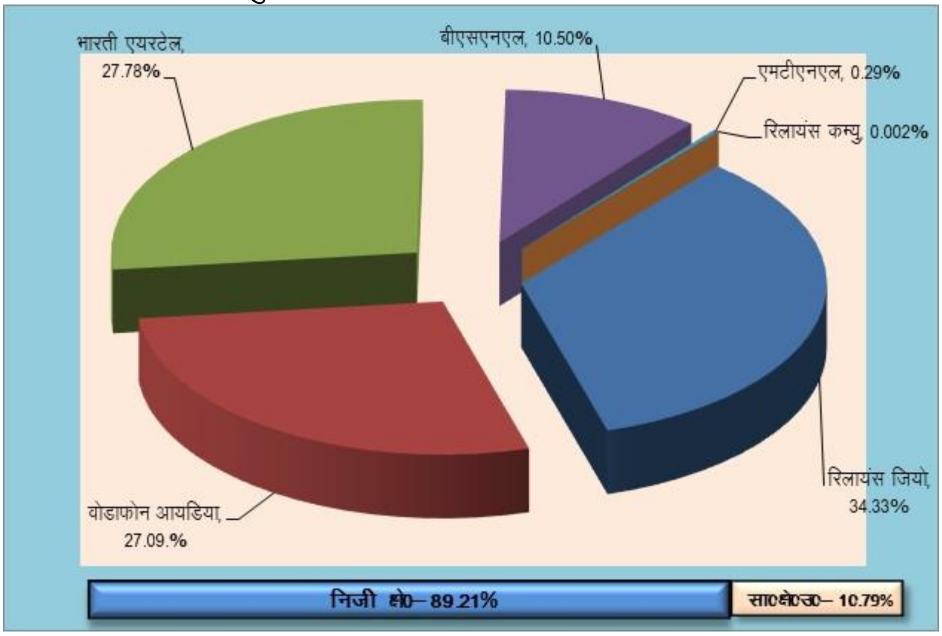

मई, 2020 के माह के दौरान टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

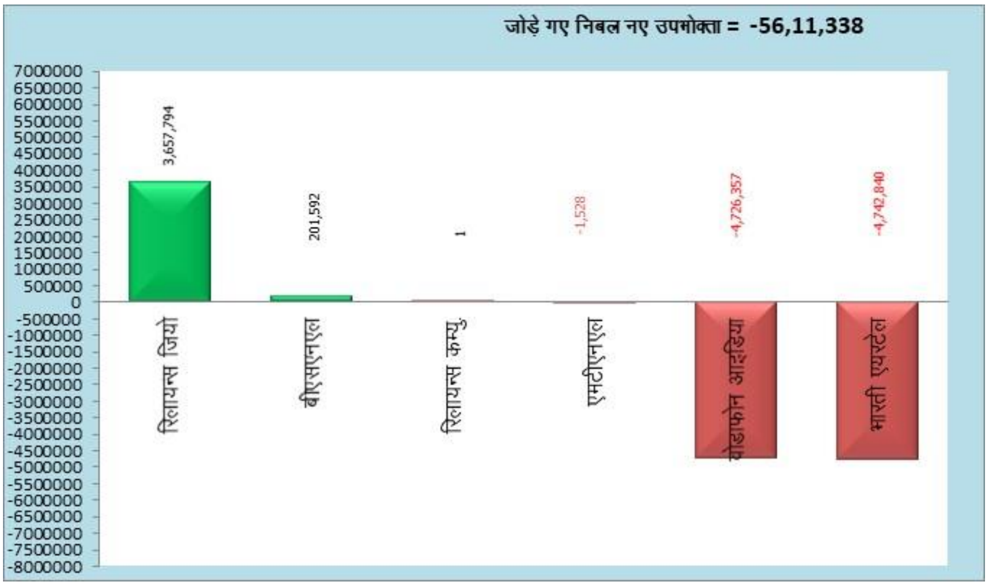

नोट – 1. भारती एयरटेल ने अपने कुल उपभोक्ताओं की संख्या में टाटा टेलिसर्विसेज के उपभोक्ताओं की संख्या को शामिल किया है।
2. बीएसएनएल के वर्चुअल नेटवर्क ऑपरेटर ने अक्टूबर, 2018 माह से अपने उपभोक्ताओं की संख्या को रिपोर्ट करना आरंभ किया है जिसे इस रिपोर्ट में मेसर्स बीएसएनसल के उपभोक्ताओं की संख्या में शामिल किया गया है।

IV. सक्रिय वायरलेस उपभोक्ता (वीएलआर आंकड़े)

- मई, 2020 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर कुल वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या (1,143.91 मिलियन) में से 960.78 मिलियन वायरलेस उपभोक्ता सक्रिय थे। कुल उपभोक्ताओं की संख्या की तुलना में सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं का अनुपात लगभग 83.99 प्रतिशत था।

- मई, 2020 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं (जिसे वीएलआर उपभोक्ता भी कहा जाता है) के अनुपात के विस्तृत आंकड़े अनुलग्नक–**II** में उपलब्ध हैं तथा वीएलआर उपभोक्ताओं की संख्या की जानकारी प्रदान करने हेतु उपयोग की गई पद्धति अनुलग्नक– **IV** में उपलब्ध है।

मई, 2020 माह के दौरान का टेलीफोन सेवा प्रदातावार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

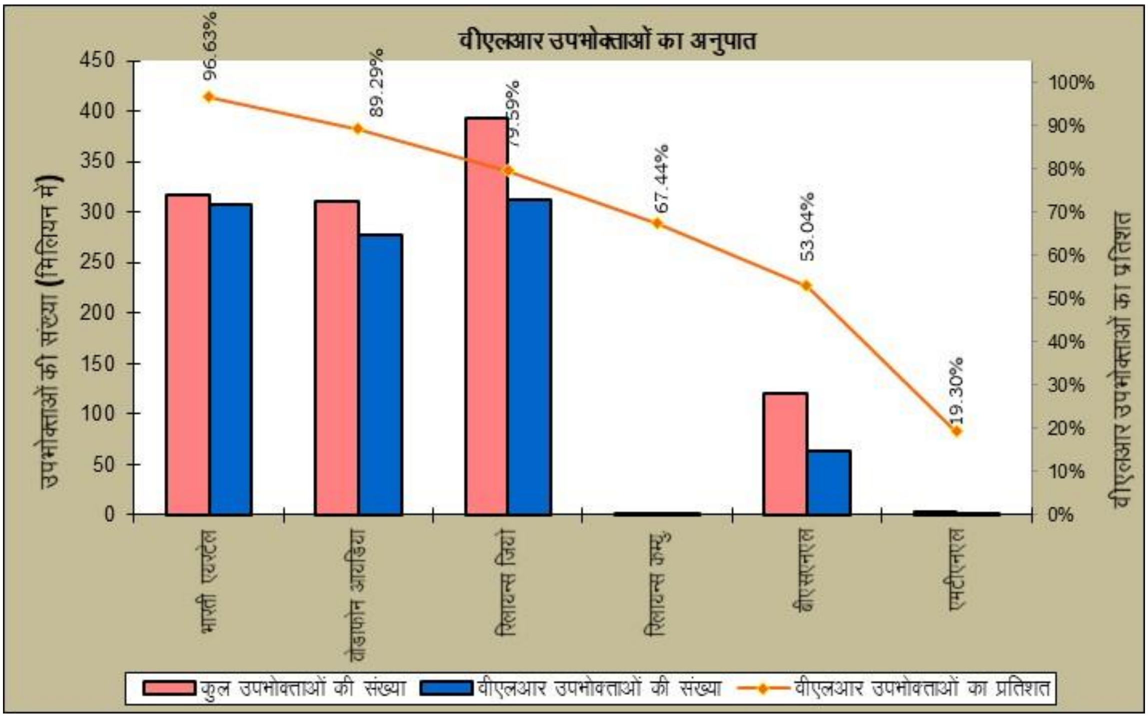

- मई, 2020 माह में भारती एयरटेल का अधिकतम वीएलआर की तिथि में वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात उसके कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 96.63 प्रतिशत है जो कि सभी वायरलेस टेलिफोन सेवा प्रदाताओं में अधिकतम है। इसी दौरान एमटीएनएल के वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात उसके कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 19.30 प्रतिशत अर्थात् न्यूनतम रहा।

मई, 2020 माह के दौरान सेवा क्षेत्रवार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

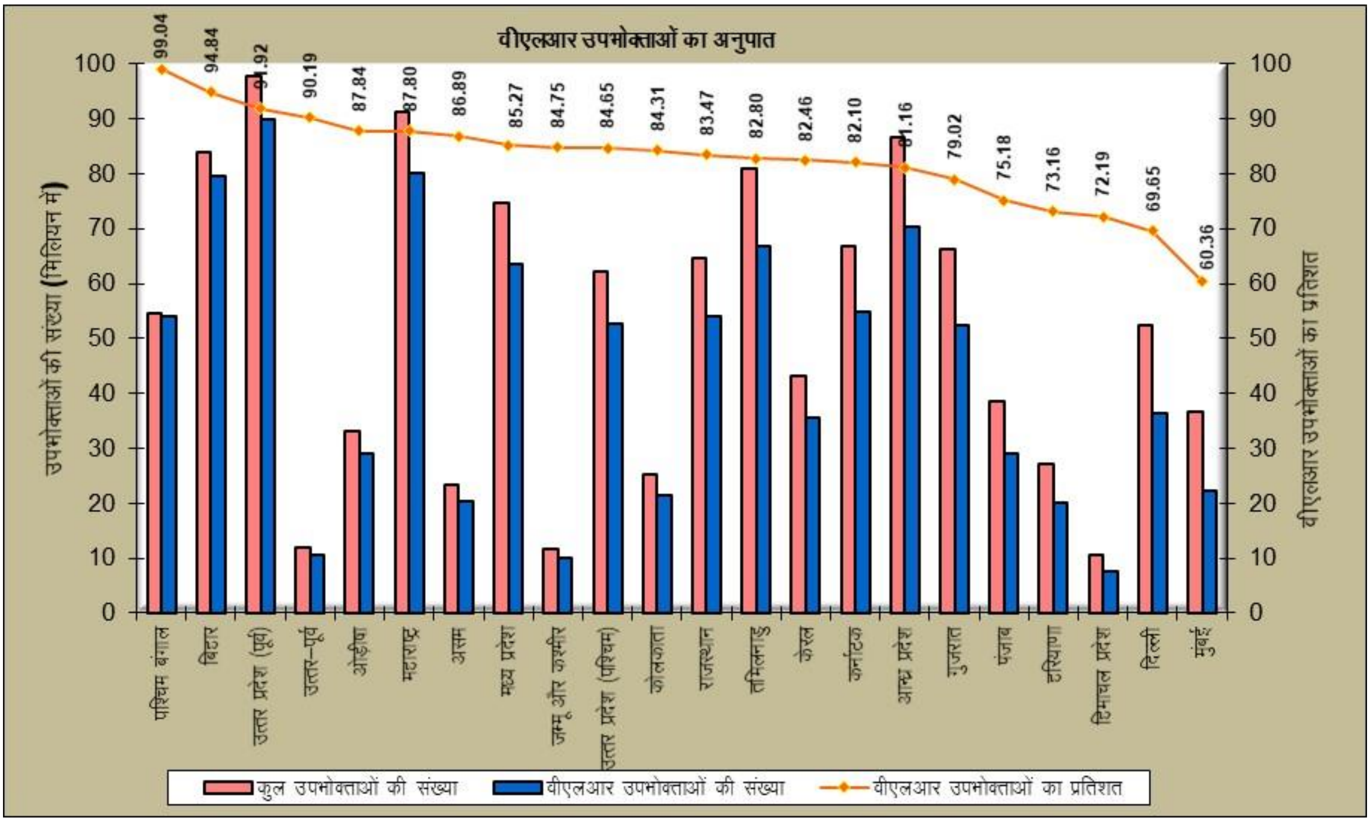

V. वायरलैस उपभोक्ताओं की वृद्धि दर

मई, 2020 माह के दौरान सेवा–प्रदातावार वायरलेस उपभोक्ताओं आधार में मासिक वृद्धि दर

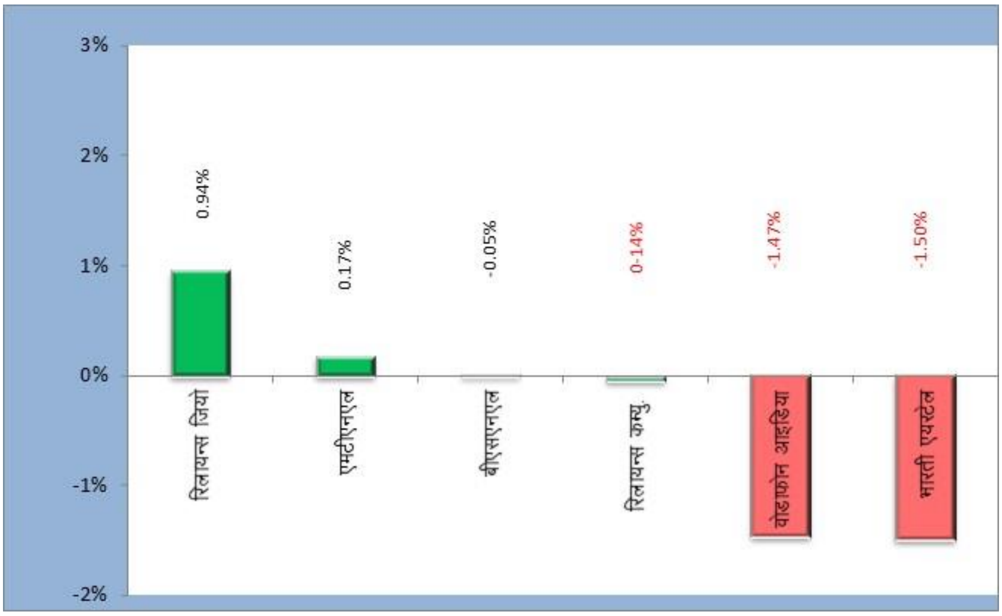

नोट – 1. भारती एयरटेल ने अपने कुल उपभोक्ताओं की संख्या में टाटा टेलिसर्विसेज के उपभोक्ताओं की संख्या को शामिल किया है हालांकि दूरसंचार विभाग ने अभी उन दोनो के विलय की मंजूरी नहीं दी है।

2. बीएसएनएल के उपभोक्ताओं की संख्या एवं वृद्धि दर में उनके वीएनओ के उपभोक्ताओं की संख्या सम्मिलित है

मई, 2020 माह के दौरान सेवा–क्षेत्रवार वायरलेस उपभोक्ता आधार में मासिक वृद्धि दर

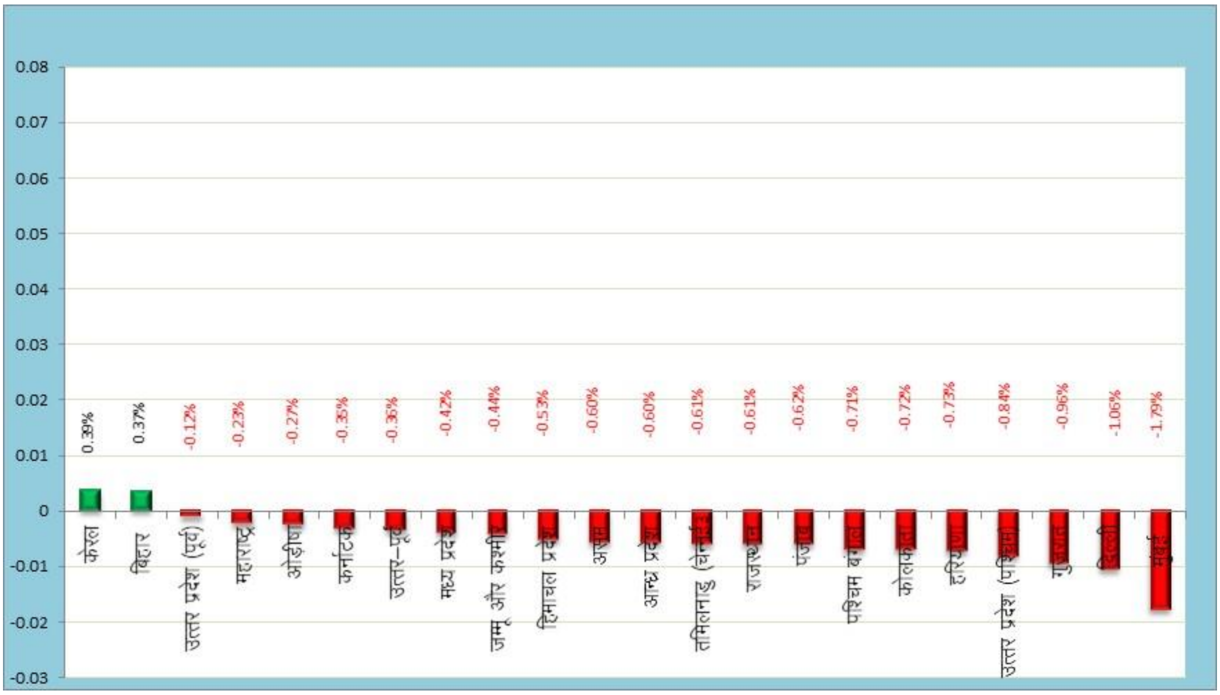

- मई, 2020 माह के दौरान केरल एवं बिहार को छोड़कर सभी सेवा क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में निबल ह्रास दर दर्ज की गई। इस माह के दौरान केरल सेवा क्षेत्र में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में सबसे अधिक 0.39 प्रतिशत की मासिक वृद्धि दर दर्ज की गई।

VI. मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी)

- अंतःसेवा–क्षेत्रीय मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) को प्रथमतया दिनांक 25.11.2010 से हरियाणा सेवा क्षेत्र में तथा दिनांक 21.01.2011 से देश के अन्य सभी भागों में लागू किया गया था। दिनांक 03.07.2015 से देश में अंतर्सेवा–क्षेत्रीय एमएनपी लागू किया गया है। अब, वायरलैस टेलीफोन उपभोक्ता एक सेवा क्षेत्र से दूसरे सेवा क्षेत्र में विस्थापित होने पर अपना मोबाइल नम्बर यथावत् रख सकते हैं।

- मई, 2020 के माह में कुल 2.98 मिलियन टेलीफोन उपभोक्ताओं से एमएनपी के लिए अनुरोध प्राप्त हुए। इन 2.98 मिलियन अनुरोधों में से 1.35 मिलियन अनुरोध जोन–। से तथा 1.63 मिलियन अनुरोध जोन–।। से प्राप्त हुए हैं। इसके साथ ही एमएनपी के आरंभ होने के तिथि से, संचयी एमएनपी अनुरोध अप्रैल, 2020 के अंत तक 488.23 मिलियन से बढ़कर मई, 2020 के अंत तक 491.21 मिलियन हो गया।

- एमएनपी क्षेत्र–I (उत्तरी तथा पश्चिम भारत) में महाराष्ट्र में (लगभग 38.11 मिलियन) सबसे अधिक अनुरोध प्राप्त हुए जिसके बाद राजस्थान में (लगभग 37.57 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं। एमएनपी क्षेत्र–II (दक्षिण तथा पूर्वी भारत) में सबसे अधिक अनुरोध कर्नाटक में (लगभग 43.86 मिलियन) प्राप्त हुए हैं जिसके बाद आंध्र प्रदेश में (लगभग 41.09 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

सेवा क्षेत्र–वार एमएनपी हेतु दर्ज अनुरोध					
जोन–I			जोन–II		
सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या		सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या	
	अप्रैल, 2020	मई, 2020		अप्रैल, 2020	मई, 2020
दिल्ली	25.06	25.14	आन्ध्र प्रदेश	40.85	41.09
गुजरात	32.61	32.78	असम	3.70	3.72
हरियाणा	17.53	17.62	बिहार	20.27	20.47
हिमाचल प्रदेश	2.38	2.40	कर्नाटक	43.65	43.86
जम्मू और कश्मीर	1.18	1.18	केरल	12.47	12.72
महाराष्ट्र	37.86	38.11	कोलकाता	11.41	11.45
मुंबई	24.05	24.07	मध्य प्रदेश	32.67	32.89
पंजाब	18.81	18.91	उत्तर–पूर्व	1.44	1.45
राजस्थान	37.42	37.57	ओड़ीशा	9.71	9.77
उत्तर प्रदेश–पूर्व	28.22	28.48	तमिलनाडु	40.33	40.57
उत्तर प्रदेश–पश्चिम	22.66	22.86	पश्चिम बंगाल	23.94	24.09
कुल	**247.79**	**249.14**	कुल	**240.44**	**242.07**
कुल (जोन–I + जोन–II)				**488.23**	**491.21**
जोड़े गए निवल उपभोक्ता (मई, 2020 माह में)				2.98 मिलियन	

VII. वायरलाइन उपभोक्ता

- वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या अप्रैल, 2020 के अंत तक 19.92 मिलियन से घटकर मई, 2020 के अंत तक 19.77 मिलियन हो गई। इस माह में 0.77 प्रतिशत की मासिक ह्रास दर के साथ वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में 0.15 मिलियन की निबल कमी दर्ज की गई। सेवा प्रदाता–वार एवं सेवा क्षेत्र–वार वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या के विस्तृत आंकड़े अनुलग्नक–**III** में उपलब्ध हैं। मई, 2020 के अंत में कुल वायरलाइन उपभोक्ताओं में शहरी तथा ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी क्रमशः 89.28 प्रतिशत तथा 10.72 प्रतिशत रही।

- समग्र वायरलाइन दूरसंचार घनत्व अप्रैल, 2020 माह के अंत में 1.48 से घटकर मई, 2020 माह के अंत में 1.46 हो गया। इसी दौरान शहरी तथा ग्रामीण वायरलाइन दूरसंचार घनत्व क्रमशः 3.81 तथा 0.24 रहा।

- 31 मई, 2020 के अंत में दोनों सार्वजनिक क्षेत्रों के सेवा प्रदाताओं यथा बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास वायरलाइन बाजार की 57.90 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या का विस्तृत आंकड़ा अनुलग्नक–III में उपलब्ध हैं। मई, 2020 माह में वायरलाइन क्षेत्र में टेलीफोन सेवा प्रदातावार बाजार की हिस्सेदारी तथा वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जुड़े निवल नये ग्राहकों को नीचे रेखाचित्र में प्रदर्शित किया गया हैः–

दिनांक 31 मई, 2020 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलाइन उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

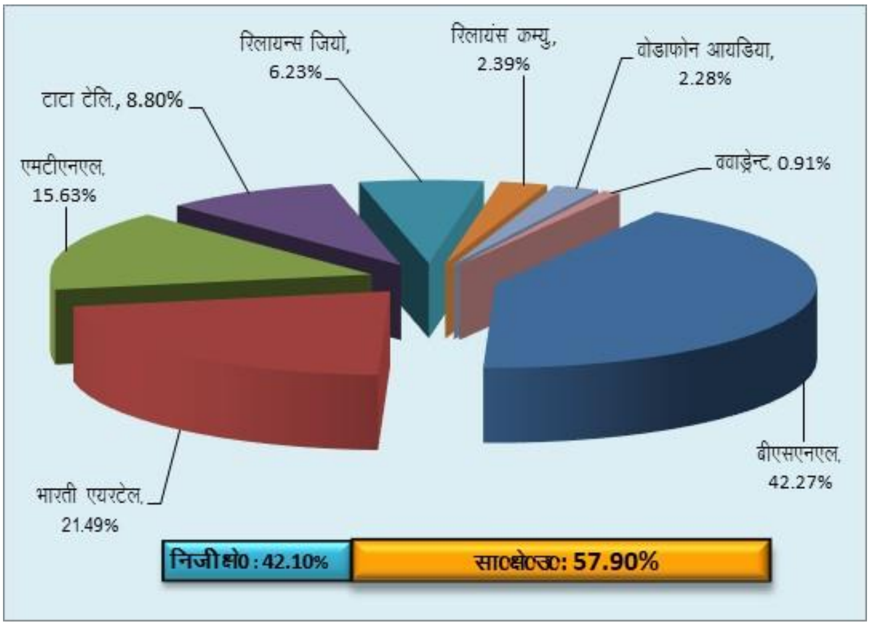

मई 2020 माह में टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए/कम हुए निबल नए उपभोक्ता

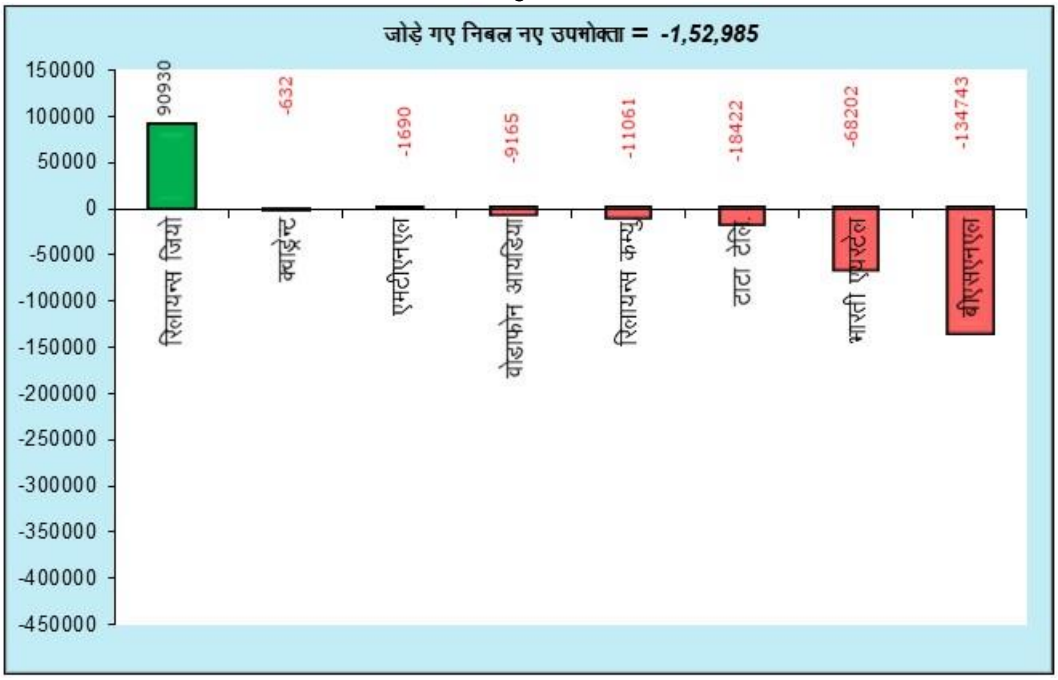

VIII. ब्रॉडबैंड सेवा (512 केबीपीएस अथवा उससे अधिक डाउनलोड स्पीड)

- मई माह में 344 सेवा प्रदाताओं से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, अप्रैल, 2020 के अंत तक ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या 676.14 मिलियन से बढ़कर मई, 2020 के अंत में 683.77 मिलियन हो गई जिसमें मासिक वृद्धि दर 1.13 प्रतिशत रही। श्रेणीवार ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या तथा उनकी मासिक वृद्धि दर नीचे दी गई है:

ब्रॉडबैंड उपभोक्ता आधार तथा उनकी मासिक वृद्धि दर

विवरण	ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)		मई, 2020 माह में मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत)
	दिनांक 30 अप्रैल, 2020 की स्थिति के अनुसार	दिनांक 31 मई, 2020 की स्थिति के अनुसार	
वायरलाईन ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	19.02	19.38	1.88%
मोबाइल ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (फोन तथा डॉन्गल)	656.51	663.78	1.11%
फिक्सड वायरलैस ब्रॉडबैंड उपभोक्ता (वाई–फाई, वाई–मैक्स, प्वाईंट–टू –प्वाईंट रेडियो और वीएसएटी)	0.61	0.61	0.13%
कुल	**676.14**	**683.77**	**1.13%**

- मई, 2020 के अंत तक सबसे बड़े पांच सेवा प्रदाताओं की बाजार हिस्सेदारी कुल ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या का 98.93 प्रतिशत रही। ये सेवा प्रदाता रिलायंस जियो (393.72 मिलियन), भारती एयरटेल (145.96 मिलियन), वोडाफोन आइडिया (113.06 मिलियन), बीएसएनएल (22.07 मिलियन) तथा अत्रिया कन्वर्जेंस (1.64 मिलियन) थे।

नोट : कुछ वायरलैस सेवा प्रदाता निर्धारित न्यूनतम उपयोग के आधार पर कभी–कभार डाटा सेवा प्राप्त करने वाला डाटा उपयोगकर्ताओं को अपने उपभोक्ताओं की संख्या से पृथक रखते हैं।

- ब्रॉडबैंड सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी का रेखाचित्रवार प्रदर्शन नीचे दिया गया है:

दिनांक 31.05.2020 की स्थिति के अनुसार ब्रॉडबैंड (वायरलाईन + वायरलैस)
सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी

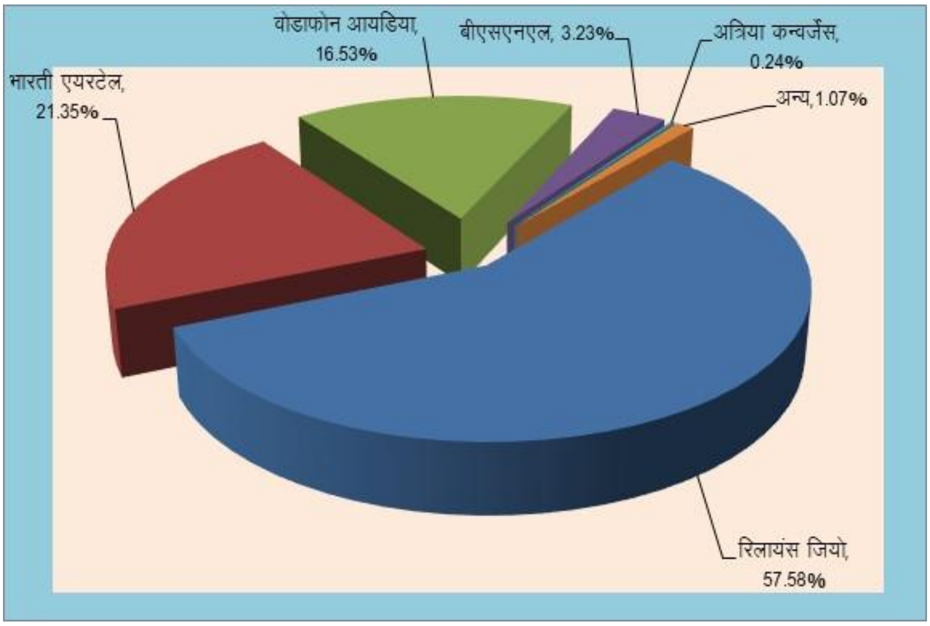

- दिनांक 31 मई, 2020 की स्थिति के अनुसार वायरलाईन सेवा प्रदान करने वाले पॉच सबसे बड़े ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में बीएसएनएल (7.93 मिलियन), भारती एयरटेल (2.41 मिलियन), अत्रिया कन्वर्जेंस टेक्नॉलाजी (1.64 मिलियन), हाथवे केबल एंड डाटाकॉम प्रा0 लि0 (0.97 मिलियन) तथा रिलायंस जियो (0.97 मिलियन) थे।

- दिनांक 31 मई, 2020 की स्थिति के अनुसार पॉच सबसे बड़े वायरलेस ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में रिलायंस जियो (392.75 मिलियन), भारती एयरटेल (143.55 मिलियन), वोडाफोन आइडिया (113.05 मिलियन), बीएसएनएल (14.14 मिलियन) तथा एमटीएनएल (0.29 मिलियन) थे।

किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें

श्री एस. के. मिश्रा, प्रधान सलाहकार (एफएंडईए),
भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
महानगर दूरसंचार भवन, जवाहरलाल नेहरू मार्ग,
नई दिल्ली–110002
फोन–011–23221856
फैक्स–011–23235249
ई–मेल: skmishra.trai@nic.in

जारी करने के लिए प्राधिकृत:

(एस. के. मिश्रा)
प्रधान सलाहकार (एफएंडईए)

वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–1

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह															
	भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु.		वोडाफोन आइडिया		बीएसएनएल		बीएसएनएल (वीएनओ)		एमटीएनएल		रिलायंस जियो		कुल उपभोक्ताओं की संख्या	
	अप्रैल, 2020	मई, 2020	अप्रैल, 2020	मई, 2020	अप्रैल, 2020	मई, 2020	अप्रैल, 2020	मई, 2020	अप्रैल, 2020	मई, 2020	अप्रैल, 2020	मई, 2020	अप्रैल, 2020	मई, 2020	अप्रैल, 2020	मई, 2020
आन्ध्र प्रदेश	28972986	28582118	2212	2212	17683144	17256983	9881535	9886981					30601661	30887378	87141538	**86615672**
असम	8249311	8215866	0	0	4173958	3989780	2815919	2830191					8287547	8349301	23526735	**23385138**
बिहार	34585811	34018344	381	381	13528501	13971724	5640105	5661488					29721424	30133590	83476222	**83785527**
दिल्ली	15392076	15169741	1789	1789	16982626	16616523	0	0			2181437	2180443	18302250	18332935	52860178	**52301431**
गुजरात	10311741	9950419	604	604	26575630	26169015	6104253	6105800					23824235	23952073	66816463	**66177911**
हरियाणा	4482455	4417778	136	136	8646982	8500081	5001387	5000882					9348593	9359933	27479553	**27278810**
हिमाचल प्रदेश	3278997	3197077	104	104	837019	811814	2992738	2995104					3637021	3684668	10745879	**10688767**
जम्मू और कश्मीर	5870663	5762957	0	0	619462	609095	1252838	1269166					4079081	4128865	11822044	**11770083**
कर्नाटक	28258387	27969035	1540	1540	11030507	10879575	7274791	7268263					20441097	20652189	67006322	**66770602**
केरल	5538046	5483225	633	633	17603735	17626920	10944266	10944716					8990383	9188896	43077063	**43244390**
कोलकाता	6105132	5933434	36	36	7285432	7135138	2105043	2127898					10056731	10170852	25552374	**25367358**
मध्य प्रदेश	14157984	13588300	750	751	23672162	23451962	6377687	6395871					30688624	31148199	74897207	**74585083**
महाराष्ट्र	15759463	15564759	1046	1046	36994987	36570907	7057401	7077504					31647484	32034054	91460381	**91248270**
मुंबई	9743289	9449530	2386	2386	12483442	12080028	0	0			1178618	1178084	14036642	14065670	37444377	**36775698**
उत्तर–पूर्व	5152370	5105383	0	0	1706084	1671945	1400558	1392938					3658488	3703915	11917500	**11874181**
ओड़ीशा	11203486	10987306	364	364	3083567	2971272	6248099	6300428					12587587	12774932	33123103	**33034302**
पंजाब	10116953	9960135	316	316	9180985	9028866	5782584	5782584					13834813	13904006	38915651	**38675907**
राजस्थान	20821142	20515565	368	368	13334087	13183993	6275568	6298309					24595250	24633165	65026415	**64631400**
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	24793264	24566667	3130	3130	20053473	19644967	12551745	12532225	92052	92107			23822256	23984304	81315920	**80823400**
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	30696400	30697332	862	862	27179466	26641385	11703589	11710173					28427340	28839335	98007657	**97889087**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	13807864	13773902	300	300	23131097	22594917	5979790	5990127					19916026	19947485	62835077	**62306731**
पश्चिम बंगाल	15245279	14891386	811	811	18865402	18518501	2370159	2390944					18587603	18874185	55069254	**54675827**
कुल	**322543099**	**317800259**	**17768**	**17769**	**314651748**	**309925391**	**119760055**	**119961592**	**92052**	**92107**	**3360055**	**3358527**	**389092136**	**392749930**	**1149516913**	**1143905575**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निबल संख्या		-4742840		1		-4726357		201537		55		-1528		3657794	0	**-5611338**
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	*155785366*	*153157053*	*0*		*164400292*	*168417334*	*38080225*	*38174454*	*0*	*0*	*45592*	*45571*	*161769777*	*163904417*	520081252	**523698829**

अनुलग्नक–**II**

मई, 2020 के माह के दौरान अधिकतम वीएलआर की तिथि को वीएलआर का अनुपात (प्रतिशत में)

सेवा क्षेत्र	भारती एयरटेल	बीएसएनएल	वोडाफोन आइडिया	एमटीएनएल	रिलायन्स कम्यु.	रिलायन्स जियो	कुल
आन्ध्र प्रदेश	94.12	61.87	90.67		58.41	70.04	**81.16**
असम	99.08	51.02	87.24		-	86.90	**86.89**
बिहार	100.75	48.86	89.98		98.49	99.08	**94.84**
दिल्ली	79.51		71.17	10.64	29.14	67.12	**69.65**
गुजरात	89.53	48.78	91.00		29.14	69.28	**79.02**
हरियाणा	102.01	37.10	90.28		52.21	63.26	**73.16**
हिमाचल प्रदेश	103.27	37.86	93.83		33.65	68.35	**72.19**
जम्मू और कश्मीर	95.45	56.72	80.21		-	79.10	**84.75**
कर्नाटक	92.80	55.24	87.56		88.12	74.21	**82.10**
केरल	98.01	66.21	94.11		28.44	70.21	**82.46**
कोलकाता	87.41	58.67	85.19		-	87.25	**84.31**
मध्य प्रदेश	98.30	47.42	86.09		47.40	86.74	**85.27**
महाराष्ट्र	98.04	55.19	92.45		49.43	84.74	**87.80**
मुंबई	62.82		72.31	35.33	127.33	50.53	**60.36**
उत्तर–पूर्व	98.66	66.17	83.49		-	90.58	**90.19**
ओड़ीशा	104.53	64.08	88.47		13.46	85.05	**87.84**
पंजाब	97.47	40.49	89.34		20.89	64.44	**75.18**
राजस्थान	98.33	45.05	91.55		36.14	76.59	**83.47**
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	94.89	63.52	90.84		72.33	73.97	**82.80**
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	108.10	38.00	94.32		38.05	94.36	**91.92**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	105.88	42.42	91.06		11.67	75.40	**84.65**
पश्चिम बंगाल	100.46	86.19	96.31		26.88	102.23	**99.04**
कुल	**96.63**	**53.04**	**89.29**	**19.30**	**67.44**	**79.59**	**83.99**

नोट : इनरोमर्स की बड़ी संख्या के कारण कुछ सेवा प्रदाताओं के कुछ सेवा क्षेत्रों में अधिकतम वीएलआर आंकड़े, एचएलआर आकड़ों से अधिक हैं।

वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–III

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह																कुल संख्या	
	बीएसएनएल		एमटीएनएल		भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु.		टाटा टेलि.		क्वाडेंट		वोडाफोन आयडिया		रिलायंस जियो			
	अप्रैल, 2020	मई, 2020	अप्रैल, 2020	मई, 2020	अप्रैल, 2020	मई, 2020	अप्रैल, 2020	मई, 2020	अप्रैल, 2020	मई, 2020	अप्रैल, 2020	मई, 2020	अप्रैल, 2020	मई, 2020	अप्रैल, 2020	मई, 2020	अप्रैल, 2020	मई, 2020
आन्ध्र प्रदेश	728414	722984			211116	212608	27999	27480	165717	164535			51345	51855	109350	119599	1293941	**1299061**
असम	94874	93155											3450	3450	13314	14945	111638	**111550**
बिहार	145766	143398					1973	1940	8286	8204			2010	1800	18493	20740	176528	**176082**
दिल्ली	0	0	1394251	1393468	1460886	1431467	65012	63894	147080	145007			78575	74675	89953	92670	3235757	**3201181**
गुजरात	592781	588262			101465	99301	9279	9000	82561	82445			31082	31902	132586	137626	949754	**948536**
हरियाणा	176915	180077			23080	23782	1487	1390	37813	37826			360	360	25178	29379	264833	**272814**
हिमाचल प्रदेश	93617	91952			0	0	1045	954	1917	1915			60	30	840	942	97479	**95793**
जम्मू और कश्मीर	117176	114791			1860	3263	0	0	0	0			0	0	15976	19923	135012	**137977**
कर्नाटक	849574	837394			772675	765799	94797	93267	270724	268163			82917	80327	55374	68778	2126061	**2113728**
केरल	1430506	1396849			60588	59490	9957	9584	19577	19502			5670	5880	15507	17282	1541805	**1508587**
कोलकाता	387892	385624			131191	130328	32915	32811	48752	48574			12480	10700	36583	39211	649813	**647248**
मध्य प्रदेश	326644	307294			236269	232252	4588	4397	13078	12903			2310	2130	52074	56989	634963	**615965**
महाराष्ट्र	887272	847705			112042	112289	34945	34372	256219	252046			29743	29113	37591	39536	1357812	**1315061**
मुंबई	0	0	1697538	1696631	385451	370950	126539	122394	535719	529243			86637	86962	222464	228194	3054348	**3034374**
उत्तर–पूर्व	89812	88758											270	270	6728	8061	96810	**97089**
ओड़िशा	185504	181386					1622	1591	8738	8760			5760	6030	8648	10263	210272	**208030**
पंजाब	312625	305342			132774	130338	9267	9088	12112	11881	180870	180238	3030	3180	41187	43529	691865	**683596**
राजस्थान	352049	344714			56781	55817	12378	12135	11463	11339			9960	6780	40672	43085	483303	**473870**
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	1146534	1120078			540444	531540	43374	41843	122086	121375			35505	36105	105747	110769	1993690	**1961710**
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	217783	251162			62535	61662	2710	2711	8173	7938			13330	13870	39240	45000	343771	**382343**
उत्तर प्रदेश (पष्चिम)	197523	193274			26222	26291	2087	2071	4776	4758			5550	5460	64874	75215	301032	**307069**
पश्चिम बंगाल	156008	160327					1549	1540	2422	2377			120	120	9020	10593	169119	**174957**
कुल	**8489269**	**8354526**	**3091789**	**3090099**	**4315379**	**4247177**	**483523**	**472462**	**1757213**	**1738791**	**180870**	**180238**	**460164**	**450999**	**1141399**	**1232329**	**19919606**	**19766621**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निवल संख्या		-134743		-1690		-68202		-11061		-18422		-632		-9165		90930		**-152985**
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	2077921	2035124	0	0	0	0	940	845	45394	44657	35365	35170	0	0	3019	3387	2162639	**2119183**

अनुलग्नक–**IV**

वायरलैस क्षेत्र में वीएलआर उपभोक्ता

होम लोकेशन रजिस्टर (एचएलआर) एक केन्द्रीयकृत डाटाबेस है जिसमें प्रत्येक मोबाइल फोन उपभोक्ताओं की संख्या का ब्योरा अंतर्विष्ट होता है जो कि जीएसएम मुख्य नेटवर्क उपयोग करने के लिए प्राधिकृत है। एचएलआर में सेवा प्रदाता द्वारा जारी प्रत्येक सिम कार्ड का ब्यौरा रखा जाता है। प्रत्येक सिम की एक विशिष्ट पहचान होती है जिसे अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल पहचान (आईएमएसआई) कहते हैं, जोकि प्रत्येक एचएलआर रिकार्ड की प्राथमिक कुंजी होता है। एचएलआर डॉटा को तब तक सुरक्षित रखा जाता है जब तक उपभोक्ता, सेवा प्रदाता के साथ जुड़ा रहता है। एचएलआर प्रशासनिक क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की स्थिति को अद्यतन कर उपभोक्ताओं के अंतरण का भी प्रबंधन करता है। यह विजिटर अवस्थिति रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ता का डाटा भेजता है।

उपभोक्ताओं की संख्या के बारे में सेवा प्रदाता द्वारा दी गई संख्या, सेवा प्रदाता के एचएलआर में पंजीकृत आईएमएसआई की संख्या तथा नीचे दिए गए अन्य आंकड़ों का जोड़ हैः–

1.	एचएलआर में कुल आईएमएसआई (ए)
2.	घटाः (बी=क+ख+ग+घ+ङ)
क.	जांच/सेवा कार्ड
ख.	कर्मचारी
ग.	हस्तगत स्टॉक/संवितरण चेनल (एक्टिव कार्ड)
घ.	उपभोक्ताओं को बनाए रखने की अवधि की समाप्ति
ङ	कनेक्शन को बंद किए जाने के दौरान सेवा समाप्ति
3.	उपभोक्ताओं की संख्या (ए – बी)

विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ताओं का एक अस्थायी डाटाबेस होता है जिन्होंने किसी सेवा प्रदाता के सेवा क्षेत्र के विशिष्ट क्षेत्र में दौरा (रोम–इन) किया है। नेटवर्क में प्रत्येक बेस स्टेशन को केवल एक वीएलआर द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। इसलिए, कोई उपभोक्ता एक समय में एक से अधिक वीएलआर में मौजूद नहीं रह सकता है।

यदि उपभोक्ता सक्रिय अवस्था में है अर्थात् वह कॉल करने/प्राप्त करने/एसएमएस भेजने/प्राप्त करने में सक्षम है, तो वह एचएलआर तथा वीएलआर में उपलब्ध है। तथापि, यह संभव है कि उपभोक्ता ने फोन बंद कर रखा हो अथवा वह कवरेज क्षेत्र से बाहर चला गया हो, पहुंच क्षेत्र से बाहर हो तथा इस कारण वह एचएलआर में पंजीकृत हो तथा वीएलआर में पंजीकृत नहीं हो। ऐसी परिस्थितियों में वह एचएलआर में उपस्थित होगा वीएलआर में नहीं। इससे सेवा प्रदाताओं द्वारा संसूचित उपभोक्ताओं की संख्या तथा वीएलआर में उपलब्ध संख्या के बीच अंतर आ जाता है।

यहां परिकलित वीएलआर डॉटा, जिस विशिष्ट माह के लिए आंकड़ों को संग्रहित किया जा रहा है, उसके लिए अधिकतम वीएलआर की तिथि पर वीएलआर में सक्रिय उपभोक्ताओं के आधार पर परिकलित किया जाता है। यह डाटा ऐसे स्विचों से लिये जाने होते हैं जिनका 72 घंटों से अधिक का 'पर्ज टाइम' (डाटा समाप्ति का समय) न हो।